<u>*प्रेस विज्ञप्ति*</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'इम्पैक्ट–2026' का शुभारम्भ</u>

पंतनगर 10 जनवरी 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं डीएम पीडिया, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'इम्पैक्ट–2026' का आयोजन प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के बहुउद्देशीय भवन में किया गया। कॉन्फ्रेंस का विधिवत शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमेरिका से डा. कृष्णा निमोली तथा सुप्रीम कोर्ट में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विधिक प्रतिनिधि डा. मनोज गोरकेला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डा. एस.एस. गुप्ता ने की। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष सूचना प्रौद्योगिकी डा. राजीव सिंह तथा संचालन समिति के सदस्य डा. गुलशन श्रीवास्तव भी मंचासीन रहे। अतिथियों द्वारा कॉन्फ्रेंस स्मारिका का विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि डा. कृष्णा निमोली ने रिमोट सेंसिंग की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका उपयोग समाज के हित में किया जाए। उन्होंने साइबर क्राइम, साइबर सिक्योरिटी एवं हैकिंग से संबंधित विधिक प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डा. एस.एस. गुप्ता ने एडवांस कम्प्यूटिंग में भविष्य की संभावनाओं तथा ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। वहीं डा. राजीव सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉन्फ्रेंस की रूप–रेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस में देश–विदेश के वैज्ञानिकों की विशेष सहभागिता रहीं। आयोजन हेतु कुल 850 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 173 शोध पत्रों का चयन प्रस्तुति के लिए किया गया। दो दिनों में कुल 12 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, रोमानिया, कजाकिस्तान सहित विभिन्न देशों से ऑनलाइन माध्यम से सत्र अध्यक्षता एवं व्याख्यान प्रस्तुत किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में कॉन्फ्रेंस समन्वयक डा. अशोक कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर देश–विदेश के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों सहित पंतनगर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशकगण, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।